भाषा
Language

अपने मन के विचार एक-दूसरे से बाँटने का माध्यम ही भाषा है।

कौआ करता काँव-काँव, कोयल बोले कुहू-कुहू,
बिल्ली करती म्याऊँ-म्याऊँ, बच्चा बोले ऊँ-ऊँ-ऊँ।
इक-दूजे से बातें करते, कहते-सुनते मन की बात।
हँसते-गाते दोस्त बनाते, यही है भाषा की सौगात।

भाषा के रूप

मौखिक— मौखिक भाषा में बोलकर और सुनकर मन की बात, विचार या भाव एक-दूसरे को समझाए जाते हैं।

लिखित— लिखित भाषा में लिखकर और पढ़कर बातों का आदान-प्रदान होता है।

इस चित्र में एक महिला ने अपनी ज़रूरत का सामान लिखकर दुकानदार को दिया और उसने पढ़कर सामान निकाला। इस तरह यहाँ लिखकर-पढ़कर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

★ नीचे लिखी बोलियाँ बोलकर देखो। सोचो, ये किसकी आवाज़ हैं— उनके चित्र बनाओ या ढूँढकर चिपकाओ—

चीं-चीं	खों-खों	कुकड़ूँ-कूँ
भिन-भिन	टर्र-टर्र	भौं-भौं
काँव-काँव	म्याऊँ-म्याऊँ	कुहू-कुहू

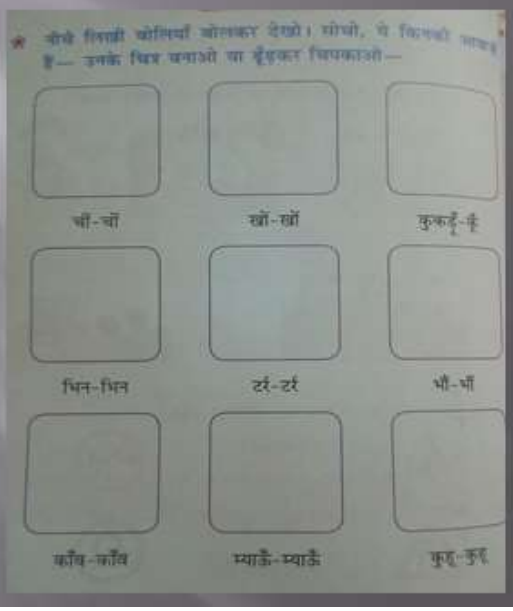

1. खाली स्थान में उचित शब्द लिखो—

क. भाषा के द्वारा हम अपने ..... की बात दूसरों को समझाते हैं।

ख. भाषा के ..... रूप होते हैं।

ग. मौखिक रूप में हम ..... अपनी बात समझाते हैं।

घ. अखबार ..... भाषा का रूप है।

बोलकर
लिखित
मन
दो

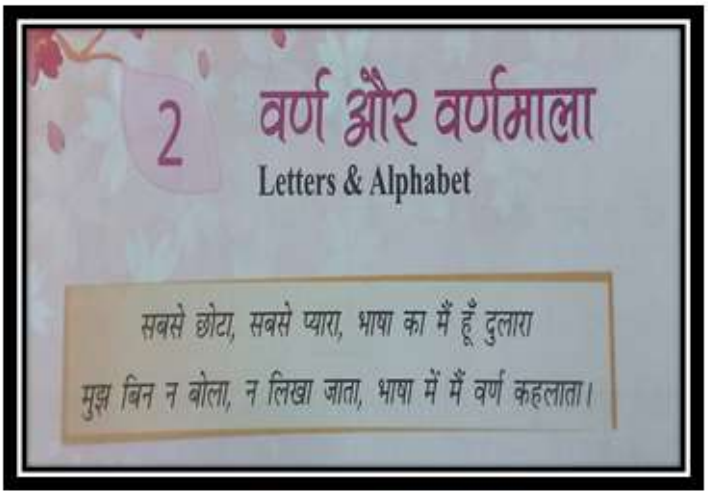

भाषा की सबसे छोटी इकाई **वर्ण** कहलाती है। वर्ण के टुकड़े नहीं किए जा सकते।

वर्णमाला

जब वर्णों को एक निश्चित क्रम में लिखा जाता है तो उसे **वर्णमाला** कहते हैं।

वर्णों के प्रकार

वर्ण दो प्रकार के होते हैं— 1. स्वर 2. व्यंजन

स्वर

हिंदी भाषा में कुल 11 स्वर (Vowel) हैं। स्वरों के निश्चित क्रम को **स्वरमाला** कहते हैं—

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ			

व्यंजन

वर्णमाला में कुल 33 व्यंजन (Consonant) हैं। व्यंजनों के निश्चित क्रम को **व्यंजनमाला** कहते हैं—

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	

अं — इसे अनुस्वार कहते हैं। इसे बोलने में नाक से ध्वनि निकलती है।

अः — इसे विसर्ग कहते हैं। इसे बोलने में 'ह्' की आवाज़ आती है।

अँ — इसे अनुनासिक कहते हैं। इसे बोलते हुए नाक और मुँह दोनों से ध्वनि निकलती है।

ऑ — इसे आगत स्वर भी कहते हैं। यह ध्वनि अंग्रेज़ी भाषा से हिंदी में आई है।

व्यंजन — जिन वर्णों को बोलने के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन (Consonants) कहते हैं। सभी व्यंजनों को बोलने के लिए 'अ' स्वर का

क्ष, त्र, ज्ञ और श्र— इन्हें संयुक्ताक्षर या संयुक्त व्यंजन भी कहते हैं क्योंकि ये दो व्यंजनों के मेल से बनते हैं; जैसे—

क्ष = क् + ष् + अ

कक्षा

त्र = त् + र् + अ

त्रिकोण

ज्ञ = ज् + ञ् + अ

ज्ञानी

श्र = श् + र् + अ

श्रुतलेख

हमने क्या जाना

- भाषा की सबसे छोटी इकाई (Unit) को वर्ण कहते हैं।
- वर्णों के निश्चित क्रम को वर्णमाला कहते हैं।
- वर्ण दो तरह के होते हैं— स्वर (Vowels) और व्यंजन (Consonants)।
- स्वर स्वतंत्र रूप से बोले जानेवाले वर्ण हैं।
- व्यंजनों को बोलने के लिए 'अ' स्वर की सहायता लेनी होती है।
- दो व्यंजनों के मेल से संयुक्ताक्षर या संयुक्त व्यंजन बनाए जाते हैं।

1

आओ, करें प्रणाम!

कविता में

यह एक प्रार्थना गीत है। किसी भी काम की शुरुआत यदि ईश्वर का नाम लेकर की जाए तो वह अवश्य सफल होता है। आखिर इस सुंदर संसार की रचना करने वाले को हमें धन्यवाद तो देना ही चाहिए।

जिसने सूरज, चाँद बनाया
जिसने रची हमारी काया।
जिसने यह संसार रचाया
उस ईश्वर को करें प्रणाम!

जो दिन करता रात बनाता
जो बादल से जल बरसाता।
जो सारा जीवन महकाता
उस ईश्वर को करें प्रणाम!

जिसने सागर को लहराया,
ठंडे झोंकों से सहलाया।
जिसने फूलों को महकाया
उस ईश्वर को करें प्रणाम।

जिसने सुंदर रंग सजाए
भाँति-भाँति के फूल खिलाए।
मिट्टी, पर्वत, पेड़ बनाए
उस ईश्वर को करें प्रणाम!

पाठ-बोध

मौखिक प्रश्न

1. कविता के आधार पर उत्तर दीजिए।

(क) संसार को बनाने वाला कौन है?

(ख) सूरज और चाँद किसने बनाए हैं?

(ग) बादल क्या बरसाता है?

(घ) 'सहलाया' शब्द का अर्थ क्या है?

2. ऊँचे स्वर में पढ़िए।

चाँद	सुंदर	ठंडा
झोंका	भाँति-भाँति	ईश्वर
पर्वत	बरसाना	लहराया